भजन

चलें पश्चिम की चौगान,मिल बैठे सुखपाल
आओ आओ री सखी आए राज स्यामा
जोड़े जोड़े होके बैठें,दायें बायें सारी सखियां
बीच में सजे मेरे राजस्यामा

1 जब अस्वारी साहेब करें,सारे पशु पंखी भी दर्शन करें
तोता मैना धनी की महिमा गाते हुए संग साथ चलें
सब कोई अपनी कला दिखावे,कोई बाजे ही बजावे
नूरी धरती भी बोले जै राजस्यामा

2 रेती के मैदान में उतरे,जब सारे सुखपाल हमारे
हमसे पहले हाजर हो गए,पसु पंखी निजधाम के सारे
देखो सज धज के हैं आये,झूमें नाचें खुशी मनायें
बोलें हमपे सवार होंगे राजस्यामा

3 रंग रंगीले अति सजीले,फील पे बैठे युगल पिया
कोई घोड़े चीते बाघीन हिरन अरन बैठीं सखियां
मनवेगी चाल चलावें, इक दूजी को सब हर्षावें
ओ देखो --आगे निकल गए राजस्यामा

4 समझ गई हम सारी सखियां प्राण पिया की शरारत को
हमने मिल तरकीब लड़ाई ऐसे चलें कोई आहट न हो
सोचा था चुपके से पकड़े,बाजी (हंस) मार ली पिया पलट के
बोलें कहां खो गई थी मेरी प्रियतम,
आओ मेरे संग बैठो मेरी प्रियतम
तुम्हें सैर कराऊं मेरी प्रियतम